टीएफए पर सहमति का होगा वैश्विक असर

प्रेसनोट, 20 नवंबर 2014

बैंकाक । विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के व्यापार सुविधा समझौते (टीएफए) पर दस्तखत किए जाने का असर बढ़ती प्रतिस्पर्धा और वैश्विक बाजार पर देखने को मिल सकता है। खाद्य सुरक्षा के लिए अनाज के स्टॉक को लेकर हाल ही में भारत और अमेरिका के बीच सहमति बनने का प्रभाव आने वाले दिनों में अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील देशों के बाजारों पर देखने को मिलेगा। कंज्यूमर्स यूनिटी एंड ट्रस्ट सोसाइटी (कट्स) द्वारा क्रू (सीआरईडब्ल्यू) प्रोजेक्ट के तहत आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में यह सहमति स्पष्ट रूप से उभर कर सामने आई है।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदीप एस मेहता ने कहा कि अमेरिका के साथ लंबी बातचीत के बाद भारत सरकार द्वारा टीएफए पर दस्तखत करने को लेकर सहमति जताया जाना क्षेत्रीय स्तर पर ही नहीं, बल्कि विश्व व्यापार और अर्थव्यवस्था की दृष्टि से भी एक स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने कहा कि यह विश्व व्यापार को बढ़ावा देने वाला कदम साबित होगा।

दुनिया के प्रमुख देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर भी इसका असर देखने को मिलेगा। इसके अलावा यह कदम विकासशील देशों के बाजारों में प्रतिस्पर्धा से जुड़ी नीतियों में सुधार की दिशा में बड़ा बदलाव लाने वाला भी साबित होगा। उन्होंने हाल ही में ब्रिस्बन में हुए सम्मेलन के दौरान जी-20 देशों के नेताओं के इस बात पर सहमत होने का भी जिक्र किया कि व्यापार और प्रतिस्पर्धा की राह की बाधाओं को समाप्त करके ही दुनिया भर में आर्थिक विकास और रोजगार के सृजन को बढ़ावा दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का विषय और क्रू प्रोजेक्ट दोनों ही प्रासंगिक हैं। क्रू प्रोजेक्ट घाना, भारत, फिलीपींस और जांबिया में चलाया जा रहा है।

This news can also be viewed at: **http://www.pressnote.in/**